प्रतिवेदन

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

NAAC A+ Accredited University

विकसित भारत @2047 के तहत प्रधानमंत्री जी का युवाओं के साथ संवाद

(11 दिसंबर, 2023)

सत्यमेव जयते

my GOV मेरी सरकार

LIVE

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

का युवाओं के साथ संवाद

अमृतकाल विमर्श

विकसित भारत @2047

वॉयस ऑफ यूथ

प्रो. सत प्रकाश बंसल
कुलपति

दिनांक	समय	स्थान
11 दिसंबर, 2023	प्रातः 10:00 बजे से	सेमिनार कक्ष हि. प्र. के. वि

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

युवाओं की मदद से भारत बनेगा विकसित देश प्रधानमंत्री - श्री नरेंद्र मोदी

विश्वविद्यालय में विकसित भारत @2047 के तहत प्रधानमंत्री के संवाद का लाइव प्रसारण

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के तीनों परिसरों में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा निर्देशों और आह्वान के क्रम में 'विकसित भारत@2047 वॉइस आफ यूथ' के तहत प्रधानमंत्री जी का युवाओं के साथ संवाद का लाइव प्रसारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी शोधार्थी, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ' विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज पहल का शुभारंभ करते हुए देश भर के राजभवनों में आयोजित कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय की कुलपतियों, संस्थाओं के प्रमुखों और संकाय सदस्यों को भी संबोधित किया। इसी कड़ी में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता और आधिकारिकगणों ने भी हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल जी के साथ राजभवन में इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग माध्यम से नरेंद्र मोदी जी के अभिभाषण को सुना । प्रधानमंत्री ने शिक्षाविदों तथा युवाओं का आवाह्न करते हुए कहा कि देश के राष्ट्रीय योजनाओं, प्राथमिकताओं और लक्ष्यों के निर्माण में देश की युवाओं की सक्रिय रूप से सहभागिता होनी चाहिए। इस दृष्टिकोण के अनुरूप सभी को समन्वित प्रयास करने होंगे।

इस संवाद के लाइव प्रसारण का आयोजन हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों धर्मशाला, शाहपुर और देहरा में क्रमशः अत्यंत हर्षोल्लास के साथ किया गया, जिसमें तमाम विश्वविद्यालय परिवार की सहभागिता सुनिश्चित की गई।

अपने अभी भाषण में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत@2047 का लक्ष्य भारत को स्वाधीनता के100वें वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इस दृष्टिकोण में विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है। जिसमें आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरण स्थिरता प्रदान करना है। विकसित भारत@2047 कार्यक्रम में पीएम मोदी ने अपने प्लान को देश के युवाओं के सामने पेश तो किया ही है, इसके अलावा उनसे भी सुझाव मांगे । जिसे विकसित भारत@2047 वॉइस आफ यूथ का नाम दिया गया।

पीएम मोदी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि यह आजादी का अमृतकाल है और भारत के लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने का यही समय है। पूरी युवा पीढ़ी इस समय अपनी ऊर्जा के माध्यम से देश को आगे ले जाने के लिए तैयार है।आजादी मिलने के समय जिस तरह युवा जोश ने देश को आगे बढ़ाया ठीक उसी तरह युवाओं का लक्ष्य और संकल्प एक ही होना चाहिए कि भारत विकसित देश कैसे बने। उन्होंने कहा कि ऐसा क्या करें कि भारत विकसित बनने की एवं अपने मार्ग में तेजी से आगे बढ़े और इसके लिए देश की युवा ऊर्जा को ऐसे ही लक्ष्य के लिए चैनलाइज करना है । देश की शैक्षणिक संस्थाओं का आवाह्न करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ शिक्षकों को भी विकसित भारत@2047 के लक्ष्य में योगदान देने के लिए आउट ऑफ द बॉक्स यानी अपने दायरे से बाहर जाकर सोचा होगा।

उन्होंने बताया कि विकसित भारत के विजन के तहत लॉन्च किए गए पोर्टल पर पांच अलग-अलग सुझाव दिए जा सकते हैं। सबसे बेहतरीन 10 सुझाव और आइडिया के लिए पुरस्कारों की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी युवा पीढ़ी को विकसित करना है जो आने वाले समय में देश हित को सर्वोपरि रखते हुए भारत को तरक्की की राह पर सबसे आगे बनाए रख सके । प्रधानमंत्री के उद्बोधन को विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने तन्मयता से सुना।

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय विकसित भारत@**2047** के इस पुनीत यज्ञ में देगा अपना योगदान - **कुलपति, प्रो. सत प्रकाश बंसल**

विकसित भारत@2047 के इस व्यापक अभियान के तहत कुलपति प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से आवाहन करते हुए कहा कि आप सभी विकसित भारत के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे और भारत को आगे ले जाने में अपना हर संभव सहयोग देंगे। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर हम सबसे युवा देश की श्रेणी में है। आने वाला समय युवाओं का है, युवाओं के हाथ में देश की बागडोर होगी तो देश निश्चित रूप से तरक्की के रास्ते पर आगे

बढ़ेगा और हम विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना पाएंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय माननीय प्रधानमंत्री जी की सोच और विजन के अनुरूप विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में सभी आवश्यक कदम उठाएगा ।नवाचार, शोध के माध्यम से विकसित भारत की इस पृष्ठभूमि को तैयार करके भारत के नवनिर्माण और नव चेतना की ओर इस राष्ट्र को आगे बढ़ाने में केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश अग्रणी रूप से सक्रिय भागीदारी निभाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से अपने विचार लॉन्च किए गए पोर्टल पर रख सकते हैं। साथ ही विश्वविद्यालय स्तर पर भी विकसित भारत@2047 के लिए आइडिया आमंत्रित किए जाएंगे और सबसे अच्छे तीन आइडियाज को पुरस्कृत किया जाएगा ।साथ ही इनको मंत्रालय को भेजा जाएगा ताकि केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश राष्ट्र निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सके।

विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने भी विकसित भारत@2047 पर सांझा किए विचार

इस कार्यक्रम के पश्चात विश्वविद्यालय में अध्यनरत छात्र - छात्राओं, शोधार्थियों ने इस विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि माननीय नरेंद्र मोदी जी ने विश्वविद्यालयों को यह जिम्मेदारी सौंपी है कि विकसित राष्ट्र के निर्माण में विश्वविद्यालय अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे और विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी अपने विभिन्न प्रकार के नवीन सुझावों के साथ विकसित राष्ट्र में अपना अहम भूमिका निभाएंगे जिससे कि विद्यार्थियों को अपने भविष्य को भी संवारने का अवसर प्रदान होगा और राष्ट्र के निर्माण में उनका भी योगदान प्रत्यक्ष रूप से होगा जो की एक बहुत बड़ी बात है। विद्यार्थियों ने कहा कि हम भी प्रधानमंत्री जी के द्वारा प्रस्तुत किए गए विजन के अनुरूप कार्य करेंगे और देश की समृद्धि में अपना सर्वस्व योगदान देंगे। इस मौके पर शोधार्थियों ने भी अपने विचार रखे जिसमें उन्होंने कहा कि शोध के विभिन्न आयामों के तहत विकसित राष्ट्र के निर्माण की परिकल्पना जो माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने ली है उसको मूर्त रूप देने में शोधार्थी भी अपना हर संभव सहयोग इस राष्ट्र के निर्माण के लिए देंगे और राष्ट्र एक विकसित राष्ट्र के तौर पर विश्व में अपनी पहचान बनाएगा ।इसके लिए तमाम शोधार्थी अपने शोध के माध्यम से विकसित राष्ट्र निर्माण की नई इबारत लिखेंगे।

कार्यक्रम संयोजक
डॉ. हरीश कुमार
सहायक आचार्य
पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला